Sub - Psychology
B.A. Part II (Hons)
Paper. III
Chapter - Aspects of mind.
Topic - Characteristics of Super Ego
By. Nishikant Jaiswal (Assistant Professor)
Dr L.K.V.D College Tajpur. Samastipur.
Lecture Series No - 14

Characteristics of Super Ego.

1. सुपर-इगो मुख्यतः चेतन है (Super-ego is chiefly conscious) जैसा कि हम देख चुके है कि इड् बिल्कुल अचेतन है और 'इगो' कुछ अंश में अचेतन है परन्तु सुपर इगो मुख्यतः चेतन है। इसे वास्तविकता का पूरा ज्ञान रहता है।

2. सुपर-इगो आदर्शों का भण्डार है (Super ego is reservoir of the ideals) इड् को आदर्शों से कोई सम्बन्ध नहीं रहता है। इसके विपरीत सुपर इगो को जीवन के आदर्श एवं आचरणं से गहरा सम्बन्ध है। इड व्यक्ति को बुरे कार्यों की ओर ढकेलता है और सुपर इगो उन कार्यों से बचाकर अच्छे कार्यों की ओर प्रेरित करता है।

Scanned with CamScanner

3. सुपर-ईगो का निर्माण एक समाज में होता है (Super ego develops in a society) सामाजिक बन्धन और नियम के कारण ही सुपर-ईगो का निर्माण होता है। सामाजिक वातावरण से अलग रहकर सुपर इगो का विकास सम्भव नहीं है। यही कारण है कि जानवरो में सुपर इगो का अभाव होता है, समाज में माता-पिता, शिक्षक एवं अन्य सदस्यो का प्रभाव इसके नियंत्रण पर पड़ता है।

4. सुपर ईगो का सम्बन्ध नैतिकता से है Super ego is concerned with morality) सुपर इगो मुख्यतः नैतिकता के सिद्धान्त पर चलता है इस प्रकार यह एक ओर 'ईड' से भिन्न है जिसको नैतिकता का ज्ञान ही नहीं होता और दूसरी ओर इगो से जिसको नैतिकता का ज्ञान तो है लेकिन उसके अनुसार कार्य नहीं करता है।

5. सुपर-इगो से ही पश्चताचा तथा दोष की भावना उत्पन्न होती है। (Feelings of remorse and guilt originate in the Super ego). व्यक्ति के सभी कार्यों पर सुपर इगो का प्रतिबन्ध रहता है। वह अनैतिक या असामाजिक कार्यों को नहीं होने देता है। यदि व्यक्ति ऐसे कार्यों को किसी कारण से कर लेता है तो उसे बाद में पश्चताचा सुपर इगो के कारण ही होता है

Scanned with CamScanner